is question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

No. of Question Paper : 6094 **G**

ique Paper Code : 205201

me of the Paper : हिन्दी-प्रश्नपत्र IV (हिन्दी कहानी)

me of the Course : **B.A. (Hons.) बी.ए. (ऑनर्स) Hindi**

mester : IV

ration : 3 Hours Maximum Marks : 75

<u>त्रों के लिए निर्देश</u>

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: (8+8)

(1) सामने के फ्लैटवाली मिसेज़ गिडवानी भी दो बासी रोटियों पर तीन दिन पुराना सालन डालकर घर के बाहर चबूतरे पर रख आयी हैं, क्योंकि उसमें से बास आने लगी थी। इसे कोई गाय खा जाये तो भी ठीक, किसी कुत्ते के मुँह में पड़ जाये तो भी ठीक, और जो गौरी के बच्चे उठाकर खा लें, तो भी ठीक। और गौरी के बच्चे सचमुच लपककर पहुँच गए हैं, जिन्हें देखकर मिसेज़ गिडवानी फिर से अपने बेटे को सीख देने लगी हैं: "देखा? कैसी भूख से खाना खाते हैं। तुझे तो भूख ही नहीं लगती। बात-बात पर नखरे करता है, यह नहीं खाऊँगा, वह नहीं खाऊँगा। देख तो, लगता है जैसे पिकनिक कर रहे हैं।"

P.T.O.

(2) पत्र बड़ा नहीं था। सीधे-सादे ढंग से उसमें यह लिखा था कि "
जब विवाह के लिय यहाँ पहुँचेंगे तो मुझे प्रस्तुत भी पाएँगे। लेकिन
चित्त की हालत इस समय ठीक नहीं है और विवाह जैसे धार्मि
अनुष्ठान की पात्रता मुझमें नहीं है। एक अनुगता आपको विवाह
मिल जाएगी। पर चाहिए कि वह जीवन संगिनी भी हो। वह मैं हूँ
हो सकती हूँ, इसमें मुझे बहुत संदेह है। फिर भी अगर आप चाहें आप
माता-पिता चाहें, तो प्रस्तुत मैं अवश्य हूँ। विवाह में आप मुझे लेंगे
स्वीकार करेंगे तो मैं अपने को दे भी दूँगी, आपके चरणों की धूल मा
से लगाऊँगी। आपकी कृपा मनाऊँगी। कृतज्ञ होऊँगी। पर निवेदन है
यदि आप मुझ पर से अपनी मांग उठा लेंगे, मुझे छोड़ देंगे, तो मैं
भी कृतज्ञ होऊँगी। निर्णय आपके हाथ है। जो चाहे निर्णय करें।"

(3) करुणा के मन की सारी दुर्बलता, सारा शोक, सारी वेदना मानो लु
हो गयी, और उनकी जगह उस आत्म-बल का उदय हुआ, जो मृ
पर हँसता है, और विपत्ति के साँपों से खेलता है। रत्न-जड़ित, मखम
म्यान में जैसे तेज़ तलवार छिपी रहती है, जल के कोमल प्रवाह
जैसे असीम शक्ति छिपी रहती है, वैसे ही रमणी का कोमल हृदय साह
और धैर्य को अपनी गोद में छिपाये रहता है। क्रोध जैसे तलवार
बाहर खींच लेता है, विज्ञान जैसे जल-शक्ति का उद्घाटन कर ले
है, वैसे ही प्रेम रमणी के साहस और धैर्य को प्रदीप्त कर देता है

2. दिए गए निर्देशों के आधार पर किन्हीं दो पाठांशों का रचना-कौशल लगभ
150 शब्दों में स्पष्ट कीजिए। (7,7

(1) निर्देश : दलित-चेतना की

राकेश अपने भीतर उठने वाली बेचैनी को जितना दबाने की कोशिश कर रहा था, वह उतना ही तीव्रता से बढ़ रही थी। वह फ़िर से कुर्सी पर बैठ गया था। सोनकर का चेहरा उसके उद्वेलित कर रहा था। सोनकर की ज़द्दोज़हद राकेश की अपनी पीड़ा बन गई थी। उसने एक गहंरी साँस ली और झटके से उठकर खड़ा हो गया था। उसने तय कर लिया था, वह सोनकर की अन्तिम यात्रा में शामिल ही नहीं होगा, उसे कन्धा भी देगा।

निर्देश : कथा-भाषा की दृष्टि से

मलबे के नीचे नाली का पानी हल्की आवाज़ करता बह रहा था। रात की खामोशी को काटती हुई कई तरह की हल्की-हल्की आवाज़ें मलबे की मिट्टी में से सुनाई दे रही थीं.... च्यु..च्यु....च्यु... चिक्-चिक्-चिक्. .. किर् र्र्र्- रीरीरीरी- चिर्र्र्। एक भटका हुआ कौआ न जाने कहाँ से उड़कर उस चौखट पर आ बैठा। इससे लकड़ी के कई रेशे इधर-उधर छितरा गए। कौए के वहाँ बैठते-न-बैठते मलबे के एक कोने में लेटा हुआ कुत्ता गुर्रा कर उठा और जोर-जोर से भौंकने लगा - वऊ-अऊ-वऊ।

निर्देश : परिवेश की दृष्टि से

चाँद की ख़बर के साथ ही घर का माहौल एकदम बदल जाता है। बच्चे टोपियाँ लगाकर सलाम करते तराबियाँ पढ़ने मस्ज़िद की तरफ़ दौड़ जाते हैं। सहरी की तैयारी होने लगती है। अम्माँजी अपने हाथ से घड़ी का अलार्म, जिसे वे 'जाग' कहती हैं, सेट करके, घड़ी खुद अपने सिरहाने

रखकर सोती है। 'जाग' बजते ही वे खुद उठकर सारे घरवा जगा देती हैं। चूल्हें के इर्द-गिर्द बैठकर सब लोग सहरी भी का हैं। और एक-दूसरे से बातचीत भी। सुबह के नाश्ते और दो खाने का चूल्हा जलना बंद, सिर्फ शाम को इफ्तार और खाने का इंतज़ाम किया जाता है। यह देखते हुए उसके अम्माँजी से अप न रखने की बात कहने की हिम्मत न होती।

3. विभाजन के संदर्भ में मोहन राकेश की कहानी 'मलबे का मालिक' के का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

निर्मल वर्मा की कहानी 'धूप का एक टुकड़ा' मूल संवेदना पर विचार क

4. शिल्प की दृष्टि से जैनेन्द्र की 'जाह्नवी' कहानी की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'एक कमज़ोर लड़की' कहानी के अधार पर रूप की चारित्रिक विशेषताओं प्रकाश डालिए।

5. "टेपचू कभी मर नहीं सकता..... क्योंकि संघर्ष ही उसकी नियति है।"- कथन के संदर्भ में टेपचू के चरित्र का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

'पिकनिक' कहानी की विशेषताओं पर विचार कीजिए।